ये अव्यक्त इशारे

रुहानी रॉयल्टी और प्युरिटी की पर्सनैलिटी धारण करो

22-05-2025

श्रेष्ठ कर्मों का फाउन्डेशन है ''पवित्रता''। लेकिन पवित्रता सिर्फ ब्रह्मचर्य नहीं। यह भी श्रेष्ठ है लेकिन मन्सा संकल्प में भी अगर कोई आत्मा के प्रति विशेष लगाव वा झुकाव हो गया, किसी आत्मा की विशेषता पर प्रभावित हो गये या उसके प्रति निगेटिव संकल्प चले, ऐसे बोल वा शब्द निकले जो मर्यादापूर्वक नहीं हैं तो उसको भी पवित्रता नहीं कहेंगे।

Adopt the personality of spiritual royalty and purity.

The foundation of elevated actions is purity. However, purity is not just celibacy. It is elevated, but if there is some special attachment or subservience to any soul, if you are impressed by any soul's speciality, or if you have negative thoughts about any soul, if you speak bad words or words that are not within the codes of conduct, that too is not said to be purity.